Anat Gyan 02-01-2026

शिक्षा युक्त हिमाचल के साथ चलेगा चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान : डॉ. राजेश शर्मा

कहा- शिक्षा बोर्ड की किताबें नहीं लगाने वाले निजी स्कूलों की संबद्धता होगी कैंसिल

कर्मचारियों को संदेश के तौर पर कहा, मुझे थोड़ा तेजी से काम करने की आदत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

नववर्ष के पहले दिन हिमाचल प्रदेश स्कूल एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू को फॉलो करते हुए शिक्षा युक्त हिमाचल के साथ चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान छेड़ने की बात कही है।

उन्होंने कहा है कि सीएम सुक्खू ने जिस तरह से चिट्टा मुक्त अभियान को छेड़ा है, हम भी इसमें शिक्षा को साथ जोड़कर शिक्षा युक्त हिमाचल के साथ चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान को चलाएंगे। डॉ. राजेश शर्मा नववर्ष के पहले दिन धर्मशाला स्थित बोर्ड परिसर में ही कर्मचारियों से सीधे रू-ब-रू होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बोर्ड कर्मचारियों से बातचीत की। डॉ. राजेश ने शिक्षा बोर्ड कर्मचारियों के साथ सीधे संवाद में काम को समय रहते करने की बात कही, तो निजी स्कूलों के संचालकों को भी कड़ा संदेश दे डाला।

उन्होंने कर्मचारियों को एक संदेश के तौर पर साफ कहा है कि उनको थोड़ा तेजी से काम करने की आदत है, तो निजी स्कूल वालों को स्पष्ट किया है कि शिक्षा बोर्ड की किताबें नहीं लगाने वाले स्कूलों की संबद्धता कैंसिल होगी। इस दौरान बहुत सारी बातें हुई हैं। इससे पहले डॉ. राजेश शर्मा का बोर्ड परिसर में पहुंचने पर कर्मियों ने स्वागत किया। डॉ. राजेश ने कहा कि काम करने वाले से गलती होती है, अगर हमसे कोई गलती हो जाती है तो उसे सुधारा जा सकता है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जाहिर की है कि कई मर्तबा ऐसा देखने को मिला है कि वह किसी काम के लिए कर्मचारियों को कहते हैं, लेकिन वह एक बार कहने के बावूजद नहीं होता है, उसके लिए उन्हें बार-बार कहना पड़ता है। लेकिन अब ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे काम में तेजी की आदत है, इसलिए मैं चाहता हूं की हर काम समय रहते पूरा हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड कर्मचारियों की मेहनत का ही नतीजा है कि आज हम आत्मनिर्भर बने हुए हैं। शिक्षा बोर्ड के भीतर न ही तो वेतन, न ही पेंशन के पैसे के लिए किल्लत महसूस होती है। उन्होंने बोर्ड अधिकारियों की भी तारीफ करते हुए कहा है कि वह अपने काम को बेहतर तरीके से संचालित कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बोर्ड के काम में इससे भी ज्यादा तेजी लाने के मकसद से हमने बहुत सारे परिवर्तन-बदलाव किए हैं। डॉ. राजेश ने कहा कि हम जब यहां से उठेंगे तो इस संकल्प के साथ कि हम हर दिन सुबह अपना लक्ष्य तय करेंगे व शाम तक उसे पूरा कर वापस घर लौटेंगे।

Himachal Dastak 02-01-2026

शिक्षा बोर्ड की किताबें नहीं लगाने वाले निजी स्कूलों की संबद्धता होगी रद: राजेश शर्मा

शिक्षा युक्त हिमाचल के साथ चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान को चलाएंगे

हिमाचल दस्तक ▮ धर्मशाला

नववर्ष के पहले दिन हिमाचल प्रदेश स्कूल एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शिक्षायुक्त हिमाचल के साथ चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान छेड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा कि सीएम ने जिस तरह से चिट्टा मुक्त अभियान को छेड़ा है, हम भी इसमें शिक्षा को साथ जोड़कर शिक्षा युक्त हिमाचल के साथ चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान को चलाएंगे। दरअसल डॉ. राजेश शर्मा नववर्ष के पहले दिन धर्मशाला स्थित बोर्ड परिसर में ही कर्मचारियों से सीधे रू-ब-रू हुए। डॉ. राजेश ने शिक्षा बोर्ड कर्मचारियों के साथ सीधे संवाद में काम को समय रहते करने की बात कही तो निजी स्कूलों के संचालकों को भी कड़ा संदेश दे डाला। उन्होंने इस दौरान एक-एक बात को साफ लफ्जों में कह दिया।

उन्होंने कर्मचारियों को एक संदेश के तौर पर साफ कहा कि उनको थोड़ा तेजी से काम करने की आदत है तो निजी स्कूल वालों को स्पष्ट किया है कि शिक्षा बोर्ड की किताबें नहीं लगाने वाले स्कूलों की संबद्धता रद होगी। इससे पहले डॉ. राजेश शर्मा का बोर्ड परिसर में पहुंचने पर कर्मियों ने जोरदार स्वागत किया। शिक्षा बोर्ड चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि बोर्ड कर्मचारियों की मेहनत का ही नतीजा है कि आज हम आत्मनिर्भर बने हुए हैं। शिक्षा बोर्ड के भीतर न ही तो वेतन न ही पेंशन के पैसे के लिए किल्लत महसूस होती है। डॉ. राजेश ने कहा कि हम जब यहां से उठेंगे तो इस संकल्प के साथ कि हम हर दिन सुबह अपना लक्ष्य तय करेंगे व शाम तक उसे पूरा कर वापस घर लौटेंगे।

Amar Ujala 02-01-2026

8वीं, 10वीं और 12वीं की एसओएस परीक्षा के लिए अब 12 तक आवेदन

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने पंजीकरण करने के लिए शेड्यूल में किया बदलाव

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से मार्च 2026 में होने वाली राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) की परीक्षाओं के लिए पात्र अभ्यर्थियों से अब 12 जनवरी तक बिना लेट फीस के आवेदन मांगे हैं। स्कूल शिक्षा बोर्ड ने इस पंजीकरण शेड्यूल में बदलाव किया है। वहीं इस दौरान फ्रेश एडमिशन के लिए भी अभ्यर्थी 2000 रुपये लेट फीस के साथ 12 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड मार्च 2026 में 8वीं-10वीं और 12वीं कक्षा की एसओएस परीक्षाएं करवाएगा।

नई एडमिशन के लिए निर्धारित शुल्क के साथ देनी होगी 2000 रुपये लेट फीस

उन्होंने बताया कि पात्र अभ्यर्थी री-अपीयर और इंप्रूवमेंट ऑफ परफार्मेंस के लिए 12 जनवरी तक बिना लेट फीस के आवेदन कर सकते हैं।

इसके अलावा फ्रेश एडमिशन (डायरेक्ट एडमिशन और बिना टीओसी), फ्रेश एडमिशन (टीओसी और री-एडमिशन) के अलावा अतिरिक्त विषय के लिए आवेदन कर सकते हैं। री-अपीयर परीक्षा देने वाले 8वीं कक्षा के अभ्यर्थियों से 800, 10वीं के अभ्यर्थियों से 1000, जबकि 12वीं कक्षा के अभ्यर्थियों से 800 रुपये शुल्क लिया जाएगा।

एक साल के भीतर अंक सुधार परीक्षा देने वाले 10वीं और 12वीं के अभ्यर्थियों को 1000-1000 रुपये शुल्क देना होगा। इसके अलावा 8वीं कक्षा में पंजीकरण करवाने वाले फ्रेश एडमिशन के अभ्यर्थियों से 2400, 10वीं के अभ्यर्थियों से 3000 और 12वीं कक्षा के अभ्यर्थियों से 2900 रुपये शुल्क 2000 रुपये लेट फीस के साथ जमा करवाना होगा।

एचपीएस परीक्षा में छाए नौणी विवि के पूर्व छात्र

सोलन। नौणी विवि के दो पूर्व विद्यार्थियों मेघा सिंह कंवर और आंचल कुमारी ने हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा (एचपीएएस) परीक्षा 2025 में शीर्ष स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। सिरमौर के ग्राम खनिवर की निवासी मेघा सिंह कंवर ने एचपीएएस परीक्षा 2025 में प्रथम स्थान हासिल किया है। उन्होंने वर्ष 2022 में नौणी विश्वविद्यालय के वानिकी महाविद्यालय के सिल्वीकल्चर एवं एग्रोफोरेस्ट्री विभाग से एग्रोफोरेस्ट्री में मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) की डिग्री प्राप्त की। परीक्षा में जिला शिमला के नेरवा के ग्राम घोंटरी निवासी आंचल कुमारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वीरवार को मेघा सिंह कंवर का विश्वविद्यालय में कुलपति, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया गया। संवाद

Divya Himachal 02-01-2026

शिक्षा बोर्ड की किताबें न पढ़ाने पर रद्द होगी मान्यता

- राज्य के निजी स्कूल संचालकों को दिए कड़े निर्देश
- साल के पहले दिन कर्मचारियों से की चर्चा; शिक्षा युक्त, चिट्टा मुक्त हिमाचल का संकल्प लिया

स्टाफ रिपोर्टर – धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला की किताबें न पढ़ाने वाले निजी स्कूलों की संबद्धता कैंसिल कर दी जाएगी। साथ ही बोर्ड चेयरमैन ने वर्ष के पहले दिन से ही बोर्ड की कार्यप्रणाली में सुधार-पारदर्शिता लाने के दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। शिक्षा बोर्ड ने नववर्ष के उपलक्ष्य में शिक्षा युक्त हिमाचल, चिट्टा मुक्त हिमाचल का भी संकल्प लिया है। प्रदेश स्कूल एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू को फॉलो करते हुए शिक्षा युक्त हिमाचल के साथ चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान छेड़ने की बात कही है। डा. राजेश शर्मा नववर्ष के पहले दिन धर्मशाला स्थित बोर्ड परिसर में ही कर्मचारियों से सीधे रू-ब-रू हुए। इस दौरान उन्होंने बोर्ड कर्मचारियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की व जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने निजी स्कूलों के संचालकों को कड़ा संदेश दिया है। चेयरमैन ने निजी स्कूलों को स्पष्ट किया है कि शिक्षा बोर्ड की किताबें न पढ़ाने वाले स्कूलों की संबद्धता कैंसिल होगी। बोर्ड की ओर से एनसीईआरटी पुस्तकों को ही प्रदेश भर के स्कूलों में पढ़ाया जा रहा है। बावजूद इसके कई निजी स्कूलों की ओर से बोर्ड की ओर से प्रदान की जाने वाली किताबों के बजाय मनमर्जी की किताबों को पढ़ाया जाता है। इस संबंध में ही बार-बार शिकायतें भी बोर्ड के समक्ष पहुंच रही है, इसी बात को ध्यान में रखते हुए सभी छात्रों के लिए एक जैसी किताबें पढ़ाना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि संस्थान के रूप में छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए पारदर्शिता, गति के साथ-साथ समन्वय से कार्य जल्द करने होंगे। उन्होंने बोर्ड अधिकारियों की भी तारीफ करते हुए कहा है कि वह अपने काम को बेहतर तरीके से संचालित कर रहे हैं।

Apka Faisla 02-01-2026

डॉ. राजेश शर्मा का फर्स्ट डे मैसेज-शिक्षा युक्त हिमाचल, चिट्टा मुक्त हिमाचल

धर्मशाला, (आपका फैसला)। पहले दिन हिमाचल प्रदेश स्कूल एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू को फॉलो करते हुए शिक्षा युक्त हिमाचल के साथ चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान छेडने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने जिस तरह से चिट्टा मुक्त अभियान को छेडा है,हम भी इसमें शिक्षा को साथ जोडकर शिक्षा युक्त हिमाचल के साथ चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान को चलाएंगे। दरअसल डॉ राजेश शर्मा नववर्ष के पहले दिन धर्मशाला स्थित बोर्ड परिसर में ही कर्मचारियों से सीधे रूबरू होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बोर्ड कर्मचारियों से लंबी-चौड़ी बातचीत की। डॉ. राजेश ने शिक्षा बोर्ड कर्मचारियों के साथ सीधे संवाद में काम को समय रहते करने की बात कही तो निजी स्कूलों के संचालकों को भी कडा संदेश दे डाला। उन्होंने इस दौरान एक-एक बात को साफ लफ्जों में कह दिया। डॉ राजेश ने कर्मचारियों को एक

संदेश के तौर पर साफ कहा है कि उनको थोड़ा तेजी से काम करने की आदत है तो निजी स्कूल वालों को स्पष्ट किया है कि शिक्षा बोर्ड की किताबें नहीं लगाने वाले स्कूलों की संबद्धता कैंसिल होगी। इस दौरान बहुत सारी बातें हुई हैं। इससे पहले डॉ राजेश शर्मा का बोर्ड परिसर में पहुंचने पर कर्मियों ने जोरदार स्वागत किया। डॉ. राजेश ने साफ कहा कि काम करने वाले से गलती होती है,अगर हमसे कोई गलती हो जाती है तो उसे सुधारा जा सकता है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जाहिर की है कि कई मर्तबा ऐसा देखने को मिला है कि वह किसी काम के लिए कर्मचारियों को कहते हैं,लेकिन वह एक बार कहने के बावूजद नहीं होता है,उसके लिए उन्हें बार-बार कहना पड़ता है। लेकिन अब ऐसा नहीं होना चाहिए,हमें इस बात का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे काम में तेजी की आदत है,इसलिए मैं चाहता हूं की हर काम समय रहते पूरा हो जाना चाहिए। शिक्षा बोर्ड चेयरमैन डॉ राजेश शर्मा ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि बोर्ड कर्मचारियों की मेहनत का ही नतीजा है कि आज हम आत्मनिर्भर बने हुए हैं। शिक्षा बोर्ड के भीतर ना ही तो वेतन ना ही पेंशन के पैसे के लिए किल्लत महसूस होती है। उन्होंने बोर्ड अधिकारियों की भी तारीफ करते हुए कहा है कि वह अपने काम को बेहतर तरीके से संचालित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बोर्ड के काम में इससे भी ज्यादा तेजी लाने के मकसद से हमने बहुत सारे परिवर्तन-बदलाव किए हैं। डॉ राजेश ने कहा कि हम जब यहां से उठेंगे तो इस संकल्प के साथ कि हम हर दिन सुबह अपना लक्ष्य तय करेंगे व शाम तक उसे पूरा कर वापस घर लौटेंगे।

Divya Himachal 02-01-2026

एसओएस मार्च परीक्षा को 12 तक ऑनलाइन आवेदन

धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राज्य मुक्त विद्यालय (एचपीएसओएस) के अंतर्गत मार्च में आयोजित होने वाली कक्षा आठवीं, दसवीं और 12वीं की परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एवं एडमिशन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विद्यार्थियों के हित ध्यान में रखते हुए आवेदन की अंतिम तिथि अब 12 जनवरी निर्धारित की गई है। बिना विलंब शुल्क तथा दो हजार रुपए के विलंब शुल्क के साथ दोनों ही स्थितियों में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12 जनवरी ही रहेगी। हालांकि दो हजार रुपए विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने की स्थिति में अभ्यर्थियों को बोर्ड द्वारा निर्धारित निम्न श्रेणियों के अंतर्गत माना जाएगा, जिनमें पुनःपरीक्षा (री-अपीयर), एक वर्ष के भीतर प्रदर्शन सुधार (इम्प्रूवमेंट ऑफ परफार्मेंस), नवीन प्रवेश (प्रत्यक्ष प्रवेश/टीओसी के बिना), टीओसी का लाभ लेते हुए नवीन या पुनः प्रवेश तथा अतिरिक्त विषय (ऐडिशनल सब्जेक्ट) शामिल हैं। बोर्ड ने राज्य भर में संचालित सभी एसओएस अध्ययन केंद्रों को निर्देश दिए हैं कि वे मार्च सत्र के लिए लागू संशोधित नियमों, अपडेटेड निर्देशों तथा संशोधित प्रोस्पेक्टस का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।